आसानी से बड़ी शतकीय पारी खेलते है रोहित

तीस साल के रोहित ने 224 एकदिवसीय में 49.27 की औसत से 9115 रन बनाये है। इसमें 29 शतक और 43 अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है जो विश्व रेकॉर्ड है। उन्होंने 32 टेस्ट में 2141 रन बनाए हैं।

रोहित एकदिवसीय के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्माचारी श्रीकांत ने कहा कि एकदिवसीय में बड़ी शतकीय पारी खेलने की क्षमता रोहित शर्मा को इस प्रारूप का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनाती है।

रोहित ने एकदिवसीय में 29 शतक लगाए हैं जिसमें से 11 बार वह 140 से अधिक रन बनाने में सफल रहे है। अपने समय में खुद आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे श्रीकांत ने कहा कि रोहित महानतम सलामी बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष तीन या पांच में रहेंगे। श्रीकांत ने 'क्रिकेट कनेक्टेड' से कहा, 'मैं उसे विश्व क्रिकेट के सर्वकालिक महान सलामी बल्लेबाज के रूप में गिनूंगा। रोहित शर्मा में सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह आसानी से बड़ी शतकीय पारी खेलते है या दोहरा शतक बनाते हैं, जो आश्चर्यजनक है।'

भारत के लिए 43 टेस्ट और 146 एकदिवसीय खेलने वाले 60 साल के श्रीकांत ने कहा, 'एक दिवसीय मैच में अगर आप 150, 180 या 200 रन बना लेते है तो बस कल्पना कीजिए कि आप टीम को कहां ले जा रहे हैं। रोहित की यह महानता है।'

वर्ल्ड कप 2011 फाइनल की जांच करेगा श्रीलंका

मैच फिक्सिंग

पुलिस की स्पेशल इंस्टिगेटिंग यूनिट करेगी जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। श्रीलंका ने विश्व कप 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल की न्यायिक जांच कराने का फैसला किया है। श्रीलंका में इन दिनों यह आरोप फिर चर्चा में है कि क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल सन 2011 को भारत को बेच दिया गया था।

खेल मंत्रालय के सचिव केडीएस रुवानचंद्रा ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि यह जांच पुलिस को सौंप दी गई है। खेलों से जुड़ी पुलिस की स्पेशल इंस्टिगेटिंग यूनिट इसकी जांच करेगी। पूर्व खेल मंत्री महिंदानंद अलुथगामगे ने आरोप लगाया था कि 2011 का विश्व कप श्रीलंका ने भारत को सौंप दिया था।

उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि अब मैं इस बारे में बात कर सकता हूं मैं खिलाड़ियों को कोई से नहीं जोड़ रहा हूं लेकिन कुछ सेक्शन इसमें जुड़े हुए थे।

श्रीलंका ने अर्जुना रणतुंगा की कप्तानी में आखिरी बार 1996 में वर्ल्ड कप जीता था। इस टीम के कप्तान रहे रणतुंगा ने भी 2011 के वर्ल्ड कप के नतीजों पर हैरानी जताते हुए पहले इसकी जांच करने की बात कही है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व कप्तान और 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल के चीफ सिलेक्टर रहे अरविंद डिसिल्वा को जांच एजेंसियों ने मंगलवार को बुलाया। श्रीलंका ने वर्ल्ड कप 2011 के फाइनल में 50 ओवर में छह विकेट पर 274 रन का लक्ष्य बना और बनाया। श्रीलंकाई टीम ने मजबूत शुरुआत की थी और सचिन तेंडुलकर 18 रन बनाकर पविलियन लौट गए थे। भारत ने मैच में बहुत अच्छी वापसी की थी।

श्रीलंकाई टीम की फील्डिंग भी काफी खराब रही थी जिससे भारतीय बल्लेबाजों को काफी मदद मिली। गौतम गंभीर ने 97 रनों की पारी खेली थी। आखिर में महेंद्र सिंह धोनी (91) ने छक्का लगाकर कुमार संगाकारा की टीम को मात दी। वानखेड़े स्टेडियम में हुए फाइनल में भारत ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी।

संगकारा ने कहा था कि अलुथगामगे को अपने आरोप आईसीसी के साथ साझा करने चाहिए। श्रीलंका में पहले भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिक्सिंग के मामले उठ चुके हैं। 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान भी ऐसे आरोप लगे थे।

2014 एडिलेड टेस्ट भारत के लिए मील का पत्थर रहा: कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को 2014 में एडिलेड में खेले गए टेस्ट मैच को याद किया है जो उनके मुताबिक भारतीय क्रिकेट के लिए हमेशा एक मील का पत्थर रहेगा।

दिसंबर की 9–13 तारीख के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने माइकल क्लार्क की कप्तानी वाली टीम को कड़ी चुनौती दी थी। भारत हालांकि कोहली द्वारा दोनों पारियों में लगाए गए शतकों के बाद भी मैच नहीं जीत पाया था।

कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा है, 'हम आज जो टीम हैं उस सफर का यह टेस्ट काफी अहम हिस्सा रहा है। एडिलेड में

> पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने क्लार्क की कप्तानी वाली टीम को कड़ी चुनौती दी थी

2014 में खेले गए टेस्ट मैच में दोनों टीमों की तरफ से काफी भावनाएं जुड़ी थीं और जिन लोगों ने देखा था उनके लिए भी यह शानदार था।'

उन्होंने कहा, 'हालांकि हम जीत नहीं पाए थे लेकिन इसने हमें सिखाया था कि अगर हम अपना सब कुछ लगा देंगे तो कुछ भी संभव है क्योंकि हम कुछ ऐसा करने के लिए समर्पित हैं जिसकी शुरुआत काफी मुश्किल है, लेकिन हमने इस मैच को लगभग जीत ही लिया था। हम सभी इसे लेकर समर्पित थे।' उन्होंने लिखा, 'टेस्ट टीम के तौर पर यह हमारे सफर का मील का पत्थर रहेगा।' ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में पहली पारी सात विकेट के नुकसान पर 517 रनों पर घोषित कर दी थी। उसके लिए डेविड वार्नर, माइकल क्लार्क, स्टीव स्मिथ ने शतक बनाए थे।

भारत ने अपनी पहली पारी में मजबूती से जवाब दिया था और कोहली के 115 रनों की मदद से 444 रन बनाए थे। दूसरी पारी में मेजबान टीम ने पांच विकेट के नुकसान पर 290 रन बना पारी घोषित कर दी थी और भारत को 364 रनों का लक्ष्य दिया था। कोहली ने दूसरी पारी में 141 रन बनाए थे और उनके अलावा मुरली विजय ने 99 रनों की पारी खेली थी, लेकिन इन दोनों के प्रयास भारत को जीत नहीं दिला पाए थे क्योंकि टीम 315 रनों पर ऑल आउट हो गई थी।

जूनियर हॉकी खिलाड़ी मनदीप बोले संदीप सिंह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर मनदीप मोर ने सोमवार को कहा कि वह पूर्व कप्तान संदीप सिंह से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने खेल के अहम गुर सिखाने का श्रेय अनुभवी ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह को दिया। पिछले साल सुल्तान आफ जोहोर कप में टीम की अगुआई करने वाले मनदीप चंडीगढ़ हॉकी अकैडमी का हिस्सा थे जिसके संदीप और रूपिंदर जैसे दिग्गज खिलाड़ी जुड़े रहे हैं।

मनदीप ने कहा, 'चंडीगढ़ स्टेडियम में संदीप से मिलकर मैं रोमांचित हो जाता था। वह मेरे हीरो हैं, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा और वह जिस तरह से ड्रैग फ्लिक पर गोल करते हैं वह मुझे पसंद है। वह जिम और ट्रेनिंग के लिए वहां आया करते थे। उनके यह शब्द 'ड्रैग फ्लिक पर ध्यान लगाओ, कड़ी मेहनत करो और आपको गौरव मिलेगा' मुझे अब भी प्रेरित करते हैं।' उन्होंने कहा, 'गुरजिंदर और बॉब पाजी (रूपिंदर) मेरी काफी मदद करते हैं और उन्होंने मुझे बेसिक्स सिखाए और हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। मुझे बॉब पाजी के साथ ट्रेनिंग करने का मौका भी मिला जो उन दिनों मेरे लिए काफी बड़ी बात थी।'

न्यूज डायरी

टेस्ट और वनडे में अलग है भारत–ऑस्ट्रेलिया की प्रतिस्पर्धा: आरोन फिंच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। बीते कुछ अर्से से क्रिकेट के मैदान पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कड़ा मुकाबला देखा जा रहा है। इस मुकाबले में रोमांच और दर्शकों की रूचि बनी रहती है। साल 2001 के कोलकाता में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच से ही दोनों टीमों को बीच हाई क्वॉलिटी मुकाबले देखने को मिलते हैं। अगर शुरुआत में सचिन तेंडुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ भारतीय बल्लेबाजी की कमान संभालते थे तो अब दौर विराट कोहली ऐंड कंपनी का है। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों की टीम के कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि जब भी दोनों टीमें आमने–सामने होती हैं उनके बीच कड़े मुकाबले की भावना नजर आती है फिर चाहे प्रारूप कोई भी क्यों न हो। मंगलवार को सोनी नेटवर्क पर दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, भारत और ऑस्ट्रेलिया दो बहुत कामयाब टीमें हैं। ये दोनों ही देश क्रिकेट को लेकर बहुत जुनूनी हैं... तो ऐसे में वनडे और टेस्ट में दोनों टीमों के बीच मुकाबले की तुलना नहीं की जा सकती।

लफ्जों में बयां नहीं कर सकता, सचिन के विकेट पर भुवी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। भुवनेश्वर कुमार जब 19 साल के थे तब पहली बार चर्चा में आए। उन्होंने साल 2009 में सचिन तेंडुलकर को जीरो पर आउट किया। यह घरेलू क्रिकेट में पहला मौका था जब सचिन खाता नहीं खोल पाए थे। उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए भुवनेश्वर ने अपने स्पैल की 14वीं गेंद पर आउट किया था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज की कटर सचिन के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेते हुई पैड से टकराई और हवा में उछल गई। डीप शॉर्ट लेग पर खड़े फील्डर ने दौड़कर कैच लपका। इस बात को 11 साल बीत चुके हैं लेकिन आज भी इसे याद करके भुवनेश्वर कुमार के रौंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने एक वेबीनार में कहा, मैं खुशकिस्मत था कि उन्हें आउट कर पाया। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इस तरह के लम्हों को आप सिर्फ महसूस कर सकते हो बयां नहीं कर सकते। भुवनेश्वर इसका श्रेय पूर्व भारतीय बल्लेबाज और यूपी की टीम के कप्तान रहे मोहम्मद कैफ को देते हैं जिन्होंने उस गैरपरंपरागत पोजीशन पर फील्डर को तैनात किया।

भारत में टिकटॉक पर बैन– रविचंद्रन अश्विन ने लिए डेविड वॉर्नर से मजे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत सरकार ने सोमवार को टिकटॉक समेत कुल 59 चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस बात को लेकर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज और सोशल मीडिया के स्टार के रूप में उबर रहे डेविड वॉर्नर से मजाक किया है। भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को भारत सरकार ने चीन ऐप्स पर डाटा और निजी जानकारियों के उल्लघंन का आरोप लगाते हुए 59 चीनी ऐप्स को बैन कर दिया। अश्विन ने इस खबर के ट्वीट पर एप्पो (अब) अनवर डेविड वॉर्नर टिक टॉक पर काफी ऐक्टिव हैं। कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान क्रिकेट गतिविधियां ठप्प पड़ी हैं। और इस वक्त में वॉर्नर ने टिकटॉक पर अपने डांस वीडियो बनाकर खूब शेयर किए। इसमें उनकी पत्नी और बेटियां भी खूब थिरकतीं नजर आईं।

छह पाकिस्तानी खिलाड़ियों की दूसरी कोरोना जांच में नेगेटिव आया टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। मोहम्मद हफीज समेत छह पाकिस्तानी क्रिकेटर अब इंग्लैंड जा सकेंगे। इन खिलाड़ियों का दूसरा कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया है जिसके बाद ये सभी बाकी टीम को जॉइन कर सकेंगे। पीसीबी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। फखर जमां, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, शादाब खान और वहाव रियाज का टेस्ट भी तीन दिन में दूसरी बार नेगेटिव आया है। ये सभी अब वॉरसेसटरशर में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। पीसीबी अब इन खिलाड़ियों को इंग्लैंड पहुंचाने का इंतजाम करेगी। और ये खिलाड़ी कब और कैसे जाएंगे इसकी जानकारी साझा की जाएगी। चार अन्य खिलाड़ी– कासिफ भट्टी, हारिस राउफ, हैदर अली और इमरान खान का टेस्ट इस हफ्ते दूसरी बार पॉजीटिव आया है।